नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-I

(भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. साहित्येतिहास लेखन पर मार्क्सवादी प्रभाव के विवेचन करीं ।
2. भोजपुरी साहित्य के इतिहास–लेखन के समस्या का बा आ ओकर समाधान पर आपन स्पष्ट विचार लिखीं ।
3. भोजपुरी साहित्य के काल विभाजन आ नामकरण के आधार के औचित्य के विश्लेषित करीं ।
4. सिद्ध–साहित्य के भाषा पर विचार करीं आ ओह में भोजपुरी तत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
5. नाथ–पंथ के विकास में गोरखनाथ के योगदान पर प्रकाश डालीं ।
6. धरमदास के काव्यात्मक परिचय दीहीं ।
7. सरभंग संप्रदाय के प्रमुख कवि लोगन के काव्य के परिचय दीं ।
8. भोजपुरी संत–काव्य के विशेषता के परिचय दीहीं ।
9. कबीर के सामाजिक चेतना पर आपन विचार स्पष्ट करीं ।
10. भोजपुरी सन्त–साहित्य के विभिन्न प्रवृत्तियन के परिचय दीहीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2015

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
30.03.2015	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
01.04.2015	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
03.04.2015	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2015	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2015	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
09.04.2015	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2015	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2015	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भोजपुरीत्तर अन्य क्षेत्रीय भाषा-साहित्य के अध्ययन)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अवधी साहित्य के इतिहास के काल–विभाजन करत ओकर उपलब्धि के रूप रेखा खींची ।
2. मैथिली आलोचना आ उपन्यास के विकास प चर्चा करीं ।
3. मगही काव्य साहित्य के परिचय दीं ।
4. मगही नाटक– साहित्य के विकास–यात्रा के समीक्षा करीं ।
5. बज्जिका भाषा विषयक भाषाविद् विद्वान लोगन का विचारन के मूल्यांकन करीं ।
6. बज्जिका के कथा साहित्य के सामान्य परिचय प्रस्तुत करीं ।
7. अंगिका के संज्ञारूप आ विशेषण के उदाहरण सहित परिचय दीं ।
8. अंगिका के लोकगीत प एगो निबन्ध लिखीं ।
9. मगही के ध्वनि आ व्याकरणिक संरचना के संक्षिप्त परिचय दीं ।
10. तिरहुता लिपि प एगो टिप्पणी लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-III

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भारतीय काव्यशास्त्रानि के इतिहास प एगो विस्तृत आलेख लिखीं ।
2. काव्य के लक्षण प प्रकाश डालीं ।
3. काव्य के प्रमुख भेदनि पर प्रकाश डालीं ।
4. काव्य के उत्कर्ष के गुणनि का योगदान प एगो लघु निबंध लिखीं ।
5. काव्य के का प्रयोजन होला–विवेचना करीं ।
6. व्यंजना शब्द–शक्ति का है ? व्यंजनाः शब्द शक्ति के भेदनि प प्रकाश डाली ।
7. 'वक्रोक्ति' का बोध स्पष्ट करत कुंतक के काव्य–सिद्धान्त के विवेचन करीं ।
8. ध्वनि के परिभाषा उदाहरण सहित बताईं ।
9. भट्टलोल्लट के रस–सिद्धान्त के व्याख्या करीं ।
10. नीचा लिखल छंदनि के लक्षण आ मात्रा बताईं :–
    दोहा, कुंडलिया, सवैया, कवित्त, मालिनी ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भोजपुरी आलोचना साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आलोचना–समालोचना–समीक्षा का ह ? भारतीय आलोचना प्रणाली के विशेषता के बारे में बतलाईं ।
2. भोजपुरी आलोचना का इतिहास के निर्माण के आधार का बा ? हर आधार के महत्व पर प्रकाश डालीं ।
3. 'भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका' में प्रकाशित पुस्तक–समीक्षा के परिचय सोदाहरण देत ओकर योगदान के चर्चा करीं ।
4. भोजपुरी के आलोचना पुस्तक के समीक्षात्मक इतिहास लिखीं । भोजपुरी में भोजपुरी के आलोचना पुस्तक के चर्चा करीं ।
5. दुर्गा शंकर प्रसाद सिंह 'नाथ' के भोजपुरी साहित्य के आलोचना के क्षेत्र में का योगदान बा ? बताईं ।
6. डॉ० विवेकी राय के भोजपुरी गद्य साहित्य के आलोचना के बारे में विवरण देत, उनका आलोचना के विशेषता के ऊपर विचार करीं ।
7. डॉ० शभुशरण के समीक्षा कार्य के लेखा–जोखा प्रस्तुत करीं आ उनका समीक्षा पद्धति पर विचार करीं ।
8. प्रो० ब्रज किशोर के जीवन आ साहित्यिक योगदान के बारे में संक्षेप में बतावत, भोजपुरी में उनका समीक्षात्मक योगदान के वर्णन करीं ।
9. डॉ० शिववंश पाण्डेय के भोजपुरी समीक्षा साहित्य में अवदान चर्चा करीं आ उहाँ के समीक्षा पद्धति के विशेषता बताई ।
10. डॉ० विश्वरंजन के समीक्षा पद्धति के विशेषता बताईं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-V

(प्रयोजनमूलक भोजपुरी)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. शब्दानुवाद आ भावानुवाद में अन्तर बताईं ।
2. प्रयोजनमूलक भासा के विकास में पारिभाषिक शब्दावली के योगदान पर विचार करीं ।
3. प्रयोजनमूलक भासा के विकास पर प्रकाश डालीं ।
4. संक्षेपन करत कवन–कवन बात पर विशेष रूप से धियान देवे के चाही ।
5. निम्नलिखित में से कवनो दुगो के पल्लवित करीं :–
   (क) 'प्रेम असाध्य रोग ह'
   (ख) 'भूखा का ना करत'
   (ग) 'कलम तलवार से ज्यादा बलवान बा'
   (घ) 'एकता सबसे बड़ बल ह'
6. सचिवालय सहायक के रूप में चार गो सहायक के पद सृजित करे खातिर टिप्पणी लिखीं ।
7. कार्यालयी प्रारूपन लिखे के प्रक्रिया के बरनन करीं ।
8. आपन बहिन के बिआह के नेवता के प्रारूप तैयार करीं ।
9. 'जनसंचार' के इलेक्ट्रानिक माध्यम के प्रमुख अंगन पर टिप्पणी लिखीं ।
10. विज्ञापन–लेखन के अनिवार्य तत्वन पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VI

(भोजपुरी लोक साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. शिष्ट साहित्य आ लोक साहित्य में अन्तर आ दूनो के पारस्परिक सम्बन्ध के वर्णन करीं ।
2. लोक साहित्य में व्यक्त काव्य शास्त्रीय तत्वन पर प्रकश डालीं ।
3. लोक साहित्य का ह ? एकर कतना प्रकार बाड़े ? सब प्रकारन पर प्रकश डालीं ।
4. लोक गीतन के वर्गीकरण पर आपन विचार लिखीं ।
5. जन्म संस्कार से सम्बन्धित विभिन्न भोजपुरी संस्कार गीतन के चर्चा सोदाहरण प्रस्तुत करीं ।
6. 'जतसॉह' के सम्बन्ध में एगो निबन्ध लिखीं ।
7. लोक गाथा का ह ? लोक गाथा आ लोकगीत में का अन्तर बा ? वर्णन करीं ।
8. लोक कथा के परम्परा पर प्रकाश डालत एकरा उद्‌भव के सिद्धान्त पर आपन मन्तव्य स्पष्ट करीं ।
9. लोक नाटक के प्रकार के उदाहरण सहित परिचय दींही ।
10. भोजपुरी लोकगीतन के प्रवृत्तियन पर आपन अध्ययन प्रस्तुत करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भोजपुरी कहानी)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. कहानी के तत्व पर प्रकाश डालीं ।
2. भोजपुरी कहानी के विकास के पहिल चरण (सन् 1948–62 ई०) के मुख्य उपलब्धि के रेखांकित करीं ।
3. भोजपुरी कहानी के विकास के द्वितीय चरण (सन् 1962–90 ई०) के प्रमुख उपलब्धियन के रेखांकित करीं ।
4. 'भैरवी के साज' कहानी के महत्वपूर्ण पात्र बल्ली बाबू आउर बचऊ महाराज के तुलनात्मक चरित्र–चित्रण करीं ।
5. कहानी तत्वन के दृष्टि में रख के 'मछरी' कहानी के विश्लेषण करीं ।
6. 'बड़प्पन' कहानी के नायक केकरा के मानत बानी ? अपना विचार खातिर कारण देत नायक के चरित्र–चित्रण करीं ।
7. 'अपराधी' कहानी के कथानक के आलोचनात्मक परिचय दीं ।
8. 'कुन्दन सिंह : केसर बाई' कहानी के मुख्य विशेषता के विवेचन करीं ।
9. श्री मिथिलेश्वर के कहानी 'तिरिआ जनम जनि दीह विधाता' के कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत करत ओकर समीक्षा करीं ।
10. सप्रसंग व्याख्या करीं :–
    (क) ''तें बेटी हइसि । ई बेटा ह । ई भीखो मांगे के एही घर में ले आई, बाकी तोरा त पराया घरे जाये के बा । तोर हाथ–बाँहो केहू पकड़ ली, त एह घर के इज्जत चलि जाई, बाकी ई त दोसरा के हाथ–बाँहि पकड़ी । या अंत में माई जवना बात के जोर दे के कहिहें ऊ ई कि तें त दस हजार लेबे आ एकरा दस हजार मिली ।''
    (ख) ''एकर रंग देख के त हमार पित्त लहर जाता । काठ के करेजा हइस । पत्थल ह पत्थल । एकरा कवनो दम –फिकिर हऊस ! लइका मूअसन भा जीयसन।''

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(भोजपुरी निबन्ध)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी काहे अष्टम–सूची में अब तक ना आइल, कारन बतावत ई बतलायीं कि एह खातिर का करे के जरूरत बा ?
2. गणेश चौबे जी भोजपुरी के दधीचि बानीं, पठित पाठ के आधार पर ई साबित करीं ।
3. निबंधकार ईश्वर चन्द्र सिन्हा के साहित्यिक योगदान के विवरण लिखीं ।
4. ललित निबंध के परम्परा में 'पनही' निबंध के स्थान निर्धारित करीं ।
5. पठित पाठ के आधार पर बतलाईं कि 'खटिया' पर बईठे के नियम का बा ?
6. पानी के जीवन में का महत्त्व बा ? विस्तार से लिखीं ।
7. 'जवानी' के मनोवैज्ञानिक पक्ष या संदर्भ का बा ? विस्तार से लिखीं ।
8. 'पुल कमजोर बा' के राजनैतिक पक्ष या संदर्भ का बा ? एह पर आपन विचार लिखीं ।
9. लेखक के अनुसार पहाड़ आ समुंदर के उपमा नइखे दीहल जा सकत, एह बात से कहाँ तक सहमत बानीं ? अगर सहमत नईखीं त ओकर आधार बताईं ।
10. राजनेता आ अपराधी गठजोड़ से देश के छबि धूमिल हो रहल बा । एह पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-IX

(आधुनिक भोजपुरी साहित्य के इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आधुनिक भोजपुरी कविता के कौन–कौन मुख्य काव्य प्रवृत्ति बा ? ए पर उदाहरण सहित प्रकाश डालीं ।
2. भोजपुरी नवगीत अथवा मुक्तछंद में रचित कविता के विकास आ लोकप्रियता पर प्रकाश डाली ।
3. भोजपुरी कहानी साहित्य के विकास के मूल्यांकन करीं ।
4. भोजपुरी के मुख्य कहानीकार के परिचय दीं ।
5. भोजपुरी उपन्यास के प्रमुख विशेषता के परिचय दीं ।
6. डॉ० विवेकी राय के उपन्यास 'अमंगलहारी' के समीक्षा करीं ।
7. भोजपुरी निबन्ध साहित्य में रामेश्वरनाथ तिवारी के स्थान के निर्धारित करीं ।
8. भोजपुरी नाटक के मुख्य विशेषता के परिचय दीं ।
9. नाटककार सुरेश कांटक के परिचय दी ।
10. भोजपुरी व्यावहारिक आलोचना के इतिहास पर संक्षेप में विचार करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2015

M.A. Bhojpuri, Part–II

Date	Papers	Time	Examination Centre
05.06.2015	Paper-IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
09.06.2015	Paper-X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
11.06.2015	Paper-XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
13.06.2015	Paper-XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
15.06.2015	Paper-XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
17.06.2015	Paper-XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
19.06.2015	Paper-XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
23.06.2015	Paper-XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-X

(भाषा विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

प्रत्येक खण्ड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दींहीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड 'क'

1. भाषा विज्ञान ह या कला स्पष्ट करत भाषा विज्ञान के क्षेत्र बताईं ।
2. भाषा के विविध रूपन के संक्षिप्त परिचय दीं ।
3. भोजपुरी–अवयवन के निरूपण करीं आ ध्वनियन के उत्पत्ति में विभिन्न प्रयोजन के स्पष्ट करीं ।
4. वाक्य परिवर्तन के कारणन के उल्लेख करीं ।
5. सम्बन्ध तत्त्व के प्रकारन के सोदाहरण उल्लेख करीं ।

खण्ड 'ख'

6. भाषा परिवार के का मतलब ह । भाषा परिवार के भीतर भोजपुरी के स्थान बताई ।
7. 'आजु के दिन भोजपुरी खाली भारते के ना, विश्व के भाषा हो गइल बा; एह कथन के पक्ष–विपक्ष में आपन राय लिखीं ।
8. देवनागरी लिपि के उद्‌भव आ विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालीं ।
9. भोजपुरी में संज्ञा पद के स्त्रीलिंग बनावे के विभिन्न पद्धति पर विचार करीं ।
10. भोजपुरी शब्दन के व्युत्पत्ति बताईं :–
    अइसन, घरहिं, आजु, घड़ी, अउरि, तोड़, चलिहे, बेरा ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XI

(भोजपुरी गद्य के अन्य विधा)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. रेखाचित्र के रूप में "सुरतिया ना बिसरे" ग्रंथ के आलोचनात्मक परीक्षण करीं ।
2. रेखाचित्रकार के रूप में निर्भीक जी के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालीं ।
3. निर्भीक जी के रेखाचित्र के विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
4. "सुरथा के पथार" संस्मरण के विशेषता आपन शब्दन में लिखी ।
5. लेखक के जीवन संघर्ष के वर्णन आपन शब्दन में करीं ।
6. यात्रा वर्णन साहित्य के इतिहास संक्षेप में लिखीं ।
7. "देखीं आगरा" के विषयवस्तु से परिचित करवाई ।
8. आचार्य महेन्द्र शास्त्री के स्फुट कवितन के उदाहरण सहित परिचय दीहीं ।
9. परमेश्वर दूबे शाहबादी के चरना "ऐनक" में वर्णित लोकहित के विषयन के समालोचना प्रस्तुत करी ।
10. शाहबादी जी के रिपोर्ताज संग्रह "ऐनक" के आधार पर उनका भावाभिव्यक्ति क्षमता के परिचय दीहीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XII

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त के व्याख्या करत ओकर मौलिकता स्पष्ट करीं ।
2. टी० एस० इलियट के परम्परा आर वैयक्तिक प्रज्ञा विषयक विचारनि के विवचन करीं ।
3. आई० ए० रिचर्डस के सम्प्रेषण सिद्धान्त के विश्लेषण करीं ।
4. अभिव्यंजना सिद्धांत के बोध क स्पष्ट करत ओकर तात्त्विक विवेचन करीं ।
5. भाषापरक दृष्टि से कॉडवेल के विचार निरूपित करी ।
6. "कला अभिव्यक्ति के कुशलता से भरलि शक्ति हवे", विश्लेषण करी ।
7. कला के एगो समीचीन परिभाषा दीहीं ।
8. हीगेल के कला–सिद्धान्त के बोध स्पष्ट करीं ।
9. आलोचना के परिभाषा देत ओकर उद्देश्य आ उपयोगिता बताई ।
10. शैली विज्ञान पर एगो सारगर्भित निबन्ध लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(भोजपुरी प्रबन्ध काव्य एवं मुक्तक काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड–क

1. भारतीय आचार्य लोग के मत के उल्लेख करत, महाकाव्य के सैद्धांतिक परिचय दीं।
2. भोजपुरी प्रबंधकाव्यन के वस्तु शिल्प पर विचार करीं आ प्रमाणित करी कि भोजपुरी प्रबंधकाव्य शास्त्रीय आ पाश्चात्य काव्य सिद्धांत के साथ लोक परम्परा के निर्वाह कर रहल बा।
3. वस्तुशिल्प, रस सिद्धांत आ भाषिक संरचना के दृष्टि से "कालजयी कुँवर सिंह" महाकाव्य पर विचार करीं।
4. भारतीय काव्य शास्त्रीय निकष पर "विश्वामित्र" महाकाव्य के परीक्षण करी ।
5. बुद्ध के चरित्र के उत्कर्ष देवे वाला संवाद, परिवेश, संघर्ष आ उद्देश्य आदि के बारे में तनि विस्तार से चर्चा करीं।

खण्ड–ख

6. संत पलटूदास के साहित्यिक देन की चर्चा करी।
7. संत लक्ष्मी सखी के अध्यात्मिक पंथ के विशेषता के वर्णन करी।
8. "बटोहिया" गीत में आइल महापुरूषन के संक्षेप में वर्णन करी।
9. भोजपुरी कवियन में जितराम पाठक के स्थान निर्धारित करीं।
10. "लाल आसमान हो गइल" कविता के समीक्षा करी।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(भोजपुरी उपन्यास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी उपन्यास के प्रमुख विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
2. भोजपुरी में प्राप्त उपन्यास साहित्य के वर्गीकरण सोदाहरण करीं ।
3. उपन्यास के मुख्य तत्त्वन पर विचार करीं ।
4. उपन्यास कला के आधार पर "फुलसुंधी" के समीक्षा करीं ।
5. "फुलसुंधी" नॉव के औचित्य पर आपन विचार तर्कपूर्ण ढंग से लिखीं ।
6. इमरीतिया काकी के कथा के महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
7. "इमरीतिया काकी" के भाषिक संरचना के समीक्षा करी ।
8. "ग्रामदेवता" उपन्यास के सामाजिक आवश्यकता का रहे ? एकरा प्रकाशन से भोजपुरी साहित्य का विकास में लाभ भइल ?
9. "ग्रामदेवता" के कथानक के संक्षेप में प्रस्तुत करी ।
10. गुलजारी बाई, खेलावन सिंह, सोनमती में से कवनो एक गो पात्र के चरित्र–चित्रण करी ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XV

(भोजपुरी नाटक)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. नाटक के तत्त्वन पर प्रकाश डालीं ।
2. भोजपुरी नाटक के प्रकार के परिचय दी ।
3. आधुनिक भोजपुरी नाटक के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आ सांस्कृतिक परिवेश के संक्षिप्त परिचय दी ।
4. भिखारी ठाकुर के कृतित्व का बारे में संक्षिप्त परिचय दीहीं ।
5. "बिदेसिया" के रंगमंच के स्वरूप आ विशेषता के परिचय दीं ।
6. "बिदेसिया" के कथानक के अपना शब्द में प्रस्तुत करीं ।
7. "केहू न हमार" नाटक में मानवतावाद के स्थापना भइल बा, ओकरा के विस्तार से लिखीं ।
8. "शुरूआत" के संवाद–योजना आ भाषिक–संरचना पर एगो छोट निबन्ध लिखीं ।
9. "हाथी के दाँत" में कई तरह के सामाजिक जीवन जीयेवाला लोग बाड़न, उनकर अलग–अलग स्थिति के वर्णनी करीं ।
10. कौनो दो पात्रन के चरित्र–चित्रण करीं :–
    (क) प्यारी सुंदरी
    (ख) फूलवन्ती
    (ग) गंगा देयाल

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(भोजपुरी से इतर भारतीय साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. वैदिक साहित्य के परिचय दीहीं।
2. वाल्मीकीय रामायण के प्रतिपाद्य विषय के अपना शब्दन में लिखीं।
3. संस्कृत गीतिकाव्य–परम्परा के परिचय दीहीं।
4. मलयालम् उपन्यास के उद्भव और विकास के परिचय दीं।
5. जैन युग के साहित्यकारन के परिचय दीं।
6. गांधीयुग "नामकरण" के औचित्य पर विचार हुए एह युग के साहित्यकारन के परिचय दीं।
7. बंगला के वैष्णव साहित्य के परिचय दीं।
8. उर्दू के आलोचना साहित्य के परिचय दीं।
9. तमिल साहित्य के काल विभाजन के परिचय दीं।
10. सूरदास के वात्सल्य वर्णन के विवेचन करीं।

ꕥ ꕥ ꕥ